झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज राहुल गांधी का सरकार पर बड़ा हमला

विषय सूची (Table of Contents):

>> 1. झारखंड में छात्रों पर बल प्रयोग राहुल गांधी ने की शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हि...
>> शांतिपूर्ण विरोध पर हमला पूरी तरह गलत...
>> अत्याचार के खिलाफ कांग्रेस का स्पष्ट रुख...
>> 2. समस्या का तुरंत हो समाधान झारखंड सरकार को राहुल गांधी का स्पष्ट संदेश...
>> छात्रों से निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता...
>> युवाओं के भविष्य के साथ न हो खिलवाड़...
>> 3. दिल्ली में युवाओं पर पेलेट गन का इस्तेमाल गृह मंत्री अमित शाह से कांग्रेस के...
>> संसद में गोलमोल भाषणों पर आपत्ति...
>> अत्याचार का सच आए देश के सामने...
>> 4. अमित शाह दें इस्तीफा राहुल गांधी ने पूछा- फायरिंग का आदेश किसने दिया, जवाब ...
>> दोषी या अक्षम दो विकल्पों में घेरा...
>> साहस की कमी का आरोप...
>> 5. राम मंदिर में चोरी का मुद्दा पीएम मोदी के करीबियों पर कांग्रेस का बड़ा आरोप...
>> आस्था के साथ वित्तीय अनियमितता का आरोप...
>> सच्चाई छिपाने का प्रयास...
>> 6. मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम पर निशाना आस्था के साथ खिलवाड़, देश से माफी मांगे...
>> ट्रस्ट के गठन और प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी...
>> देश की जनता से सार्वजनिक माफी की मांग...
>> 7. संसद में 15 दिनों से जारी गतिरोध विपक्ष की तीन प्रमुख मांगें जिन पर अड़ी है ...
>> कांग्रेस द्वारा रखी गई तीन मुख्य मांगे ...
>> 8. सरकार की चुप्पी बनाम कांग्रेस का कड़ा रुख बिना स्पष्टीकरण के सदन में चर्चा न...
>> गलती या अक्षमता का सवाल...
>> निष्कर्ष (Conclusion)...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) मुख्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार तथा संबंधित प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। झारखंड में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे बेगुनाह छात्रों पर हुए बल प्रयोग की निंदा करते हुए राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वालों पर किसी भी प्रकार का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

देश भर में युवाओं के अधिकारों, प्रतियोगी परीक्षाओं की सुरक्षा और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर जारी बहस के बीच कांग्रेस नेतृत्व का यह बयान

बेहद अहम माना जा रहा है। इस खबर कीlatest update 2026के अनुसार, विपक्ष ने संसद के अंदर और बाहर सरकार को घेरने के लिए अपनी रणनीतियों को और तेज कर दिया है।

1. झारखंड में छात्रों पर बल प्रयोग: राहुल गांधी ने की शांति

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक और छात्र को अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण ढंग से आवाज उठाने का संवैधानिक अधिकार है। झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई को उन्होंने पूरी तरह से अनुचित और अलोकतांत्रिक करार दिया।

शांतिपूर्ण विरोध पर हमला पूरी तरह गलत

राहुल गांधी ने मीडिया के समक्ष अपने विचार रखते हुए स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी हर उस कदम के खिलाफ खड़ी है जहाँ आम जनता या छात्रों पर हिंसा थोपी जाती है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा की निंदा करते हैं। हम इसके सख्त खिलाफ हैं और हमारा रुख पूरी तरह साफ है।

अत्याचार के खिलाफ कांग्रेस का स्पष्ट रुख

कांग्रेस पार्टी ने इस बात पर जोर दिया है कि छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने के प्रयास किसी भी राज्य में स्वीकार्य नहीं होंगे। इस मामले में किसी प्रकार का संशय नहीं है कि हिंसक रवैया अपनाकर समस्याओं का समाधान नहीं निकाला जा सकता।

>> शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार:छात्रों को अपनी मांगों के लिए आवाज उठाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

>> हिंसा का विरोध:राज्य मशीनरी द्वारा किसी भी तरह के हिंसक बल प्रयोग की सख्त भर्त्सना।

>> पारदर्शिता:छात्रों के भविष्य और प्रशासनिक निर्णयों में पूर्ण स्पष्टता।

2. समस्या का तुरंत हो समाधान : झारखंड सरकार को राहुल गांधी

झारखंड में उपजे हालात को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार को भी एक सीधा और स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का टकराव बढ़ाने के बजाय उनकी समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर सुना जाना चाहिए।

MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

छात्रों से निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता

राहुल गांधी के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारियों और सरकार को छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ मेज पर बैठकर चर्चा करनी चाहिए। युवाओं की चिंताओं को नजरअंदाज करना स्थिति को और अधिक विकट बना सकता है, इसलिए उनकी समस्याओं का शीघ्र अति शीघ्र समाधान किया जाना अनिवार्य है।

युवाओं के भविष्य के साथ न हो खिलवाड़

देश के कई हिस्सों में प्रतियोगी परीक्षाओं और प्रशासनिक व्यवस्था से परेशान छात्रों के अधिकारों पर कानून-व्यवस्था का ध्यान आकर्षित किया गया है। कानूनी व बाल संरक्षण नियमों का हवाला देते हुए अक्सर यह कहा जाता है कि प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन जरूरी है, जैसा कि सूर्यास्त के बाद बच्चों को थाने में रखा तो खैर नही! नया सख्त आदेशजैसे कानूनी फैसलों में स्पष्ट देखने को मिलता है।

3. दिल्ली में युवाओं पर पेलेट गन का इस्तेमाल: गृह मंत्री अमि

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने दिल्ली में हुए युवाओं के प्रदर्शन पर हुए पुलिसिया एक्शन का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में युवाओं पर पेलेट गन चलाई गई और कील लगी लाठियों से उन्हें बेरहमी से पीटा गया।

संसद में गोलमोल भाषणों पर आपत्ति

राहुल गांधी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर सामान्य विषयों पर भाषण देने के बजाय इस बात का सीधा जवाब देना चाहिए कि दिल्ली में युवाओं पर लाठीचार्ज और फायरिंग कराने की अनुमति किसने दी थी।

अत्याचार का सच आए देश के सामने

कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि दिल्ली पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए गए अत्यधिक बल के कारण कई छात्र और युवा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। गृह मंत्रालय (MHA) को देश के सामने सच्चाई रखनी चाहिए कि यह कार्रवाई किसके दिशा-निर्देशों पर की गई थी।

4. अमित शाह दें इस्तीफा: राहुल गांधी ने पूछा- फायरिंग का आद

राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए उनकी नैतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि युवाओं पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी से सरकार और गृह मंत्रालय पीछे नहीं हट सकते।

दोषी या अक्षम: दो विकल्पों में घेरा

राहुल गांधी ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, अगर गृह मंत्री ने दिल्ली में युवाओं पर गोली चलाने का आदेश दिया था, तो वे हमारे बच्चों पर अत्याचार कराने के दोषी हैं। और अगर उन्हें इस घटना की जानकारी ही नहीं थी, तो वे इस पद के लिए अयोग्य हैं। दोनों ही परिस्थितियों में उन्हें अपने पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

साहस की कमी का आरोप

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पिछले 15 दिनों से विपक्ष संसद में इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांग रहा है, लेकिन न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही गृह मंत्री अमित शाह में संसद में आकर इन तीखे सवालों का सामना करने का साहस है।

5. राम मंदिर में चोरी का मुद्दा: पीएम मोदी के करीबियों पर का

कांग्रेस नेतृत्व ने प्रेस कांफ्रेंस में केवल छात्रों पर हुए बल प्रयोग का ही मुद्दा नहीं उठाया, बल्कि अयोध्या स्थित राम मंदिर परिसर में हुई कथित चोरी की घटना को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

आस्था के साथ वित्तीय अनियमितता का आरोप

राहुल गांधी और खरगे ने आरोप लगाया कि राम मंदिर में हुई चोरी की घटना में प्रधानमंत्री के बेहद करीबी लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था इस पवित्र स्थल से जुड़ी हुई है, और ऐसे में वहां इस प्रकार का अपराध होना अत्यंत चिंताजनक है।

सच्चाई छिपाने का प्रयास

कांग्रेस के अनुसार, सरकार इस मुद्दे पर चर्चा से भाग रही है और इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। इस तरह के घटनाक्रम सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने पर प्रभाव डालते हैं, जिसकी विस्तृत पृष्ठभूमि समझने के लिए आप हमारी विशेष रिपोर्टहमारी पृथ्वी कैसे बनी? 99% लोग नहीं जानते ये खौफनाक सच्चाई!भी पढ़ सकते हैं।

6. मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम पर निशाना: आस्था के साथ खिलवाड

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए कहा कि 20 जुलाई से शुरू हुए संसद सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष देशहित से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार लगातार इससे बच रही है।

ट्रस्ट के गठन और प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी

खरगे ने याद दिलाया कि राम मंदिर ट्रस्ट की स्थापना स्वयं प्रधानमंत्री ने की थी और इसके सदस्यों का चयन भी उनकी सरकार की देखरेख में हुआ था। इसलिए, यदि ट्रस्ट या मंदिर परिसर में कोई गड़बड़ी या चोरी होती है, तो प्रधानमंत्री अपनी नैतिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते।

देश की जनता से सार्वजनिक माफी की मांग

खरगे ने कहा, लाखों-करोड़ों लोगों की आस्था राम मंदिर से जुड़ी हुई है। इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी प्रधानमंत्री की खामोशी दुखद है। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री स्वयं सामने आएं, सच्चाई का खुलासा करें और देश की जनता से माफी मांगें।

7. संसद में 15 दिनों से जारी गतिरोध: विपक्ष की तीन प्रमुख मा

संसद के चालू सत्र में बने गतिरोध के लिए कांग्रेस ने पूरी तरह से सत्ता पक्ष के अड़ियल रवैये को जिम्मेदार ठहराया है। खरगे ने स्पष्ट किया कि विपक्ष तीन मुख्य मांगों को लेकर पूरी मजबूती के साथ खड़ा है।

कांग्रेस द्वारा रखी गई तीन मुख्य मांगे:

>> मांग 1 (गृह मंत्री का जवाब):दिल्ली में युवाओं पर हुए लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोलों और पेलेट गन के इस्तेमाल पर गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर स्थिति साफ करें।

>> मांग 2 (राम मंदिर चोरी पर कठोर कार्रवाई):राम मंदिर में चोरी की घटना में शामिल दोषियों के नाम उजागर किए जाएं और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

>> मांग 3 (प्रधानमंत्री की माफी):आस्था के केंद्र में हुई लापरवाही और युवाओं पर हुए अत्याचारों पर प्रधानमंत्री देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

अंतर्राष्ट्रीय और कूटनीतिक मोर्चों पर भी सरकारी नीतियों की गोपनीयता पर सवाल उठते रहे हैं, जैसे हाल ही में जारी रिपोर्टमोहम्मद यूनुस ने छुपाया कैबिनेट से मुहँ घूमाई! बांग्लादेश-अमेरिका डील पर खुलासामें देखने को मिला था। विपक्ष का मानना है कि चाहे आंतरिक सुरक्षा हो या प्रतियोगी परीक्षा लीक (Paper Leak List 2026), सरकार को पूर्णstatus checkरिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए।

8. सरकार की चुप्पी बनाम कांग्रेस का कड़ा रुख: बिना स्पष्टीकर

संसदीय कार्यवाही में गतिरोध समाप्त करने के संबंध में राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि केवल औपचारिकता निभाने या मनगढ़ंत बातें करने के लिए चर्चा में भाग लेना विपक्ष को मंजूर नहीं है। जब तक बुनियादी प्रश्नों के जवाब नहीं मिलते, तब तक विरोध जारी रहेगा।

गलती या अक्षमता का सवाल

राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि युवाओं पर फायरिंग की घटना क्या गृह मंत्रालय की एक बड़ी गलती थी या फिर उनकी प्रशासनिक अक्षमता? जब तक यह स्पष्ट नहीं होता कि MHA में किसने आदेश जारी किया था, तब तक किसी भी अन्य सामान्य विषय पर संसद में चर्चा करना निरर्थक होगा।

निष्कर्ष (Conclusion)

निष्कर्षत:, झारखंड में छात्रों पर हुए बल प्रयोग के खिलाफ राहुल गांधी का बयान और दिल्ली के घटनाक्रम पर कांग्रेस के तीखे हमलों ने देश की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। विपक्ष द्वारा उठाई गई तीन प्रमुख मांगों - युवाओं पर अत्याचार का सच, राम मंदिर चोरी में जवाबदेही और पीएम की माफी - ने केंद्र सरकार को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार संसद का गतिरोध समाप्त करने के लिए इन मांगों पर क्या आधिकारिक कदम उठाती है और छात्रों की समस्याओं का क्या समाधान निकाला जाता है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

राहुल गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ हिंसा पूरी तरह गलत है। झारखंड सरकार को तुरंत छात्रों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

कांग्रेस का आरोप है कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पेलेट गन चलाई गईं, आंसू गैस के गोले दागे गए और कील लगी लाठियों से पीटा गया।

राहुल गांधी ने पूछा है कि दिल्ली में युवाओं पर गोली और पेलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया था, गृह मंत्री संसद में आकर इस बात का स्पष्ट जवाब दें।

राहुल गांधी के अनुसार, यदि गृह मंत्री ने फायरिंग का आदेश दिया तो वे दोषी हैं, और यदि उन्हें जानकारी नहीं थी तो वे अयोग्य हैं। दोनों सूरतों में उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राम मंदिर में हुई चोरी की घटना में प्रधानमंत्री के करीबी लोग शामिल हैं, जिस पर सरकार चुप है।

विपक्ष अपनी तीन मुख्य मांगों (गृह मंत्री का स्पष्टीकरण, राम मंदिर चोरी पर कार्रवाई और प्रधानमंत्री की माफी) पर अड़ा हुआ है, जबकि सरकार चर्चा से बच रही है।

1. दिल्ली पुलिस अत्याचार पर अमित शाह का बयान। 2. राम मंदिर चोरी के दोषियों को सख्त सजा। 3. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता से माफी।

खरगे ने कहा कि देश में पेपर लीक की घटनाएं सालों से हो रही हैं, जिस पर विपक्ष लगातार सदन में व्यापक चर्चा कराने का दबाव बना रहा है।

नहीं, राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक फायरिंग के आदेश पर गृह मंत्री स्थिति साफ नहीं करते, तब तक किसी भी सामान्य चर्चा का सवाल ही नहीं उठता।